Contents

अ नु क्र म णि का

(खण्ड- 1)

अध्याय -1 रचना तथा ~~प्रकाश~~ रचनाकार पृष्ठ सं0

ग्रन्थ की महत्ता, ग्रन्थ का सामान्य परिचय, ग्रन्थ-रचना की प्रेरणा, ग्रन्थ-रचना का उद्देश्य, ग्रन्थ-रचना का आधार, ग्रन्थ के शीर्षक पर विचार, रीतिकालीन-परम्परा के सन्दर्भ में ग्रन्थ-विवेचन की पद्धति, कुँवर-कुशल का रचना-काल, अन्य रचनायें । 10-53

अध्याय-2 रीतियुगीन परिस्थितियाँ 54-91

(क) रीतियुग में उत्तर भारत की परिस्थितियाँ -

राजनीतिक परिस्थिति

सामाजिक परिस्थिति

धार्मिक परिस्थिति

साहित्यिक परिस्थिति

(ख) कच्छ की परिस्थितियाँ -

राजनीतिक परिस्थिति

सामाजिक परिस्थिति

धार्मिक परिस्थिति

साहित्यिक परिस्थिति

(खण्ड - 2)

काव्यांग-निरूपण

अध्याय -3 अलंकार-निरूपण 92-156

		पृष्ठ संख्या
अध्याय -4	ध्वनि-निरूपण	157-२५१
अध्याय -5	शब्द-शक्ति -निरूपण	२५२-२६१
अध्याय -6	गुण-दोष विचार, छन्द-निरूपण, काव्य-हेतु तथा प्रयोजन	२६२-376
अध्याय -7	'लखपति जस सिन्धु'-काव्य-सौष्ठव	377-511

(क) 'लखपति जस सिन्धु' में शृंगार तथा शृंगारेतर वर्णन

(ख) प्रकृति -चित्रण

(ग) 'लखपति जस सिन्धु' की भाषा

(घ) बिम्ब, और लय

उपसंहार — 512-536

(क) आचार्यत्व -समग्र दृष्टि से

(ख) कवित्व - समग्र दृष्टि से

(ग) पूर्ववर्ती कवियों का प्रभाव

(घ) उपलब्धि

(ङ) हिंदी रीति ग्रन्थों के में 'लखपति जस सिन्धु' का स्थान

(च) सम्भावनायें

सहायक ग्रन्थों की सूची — 537-548